मानवीय गलियारे

प्रलिम्सि के लयि:

मानवीय गलयािरे, वर्ष 1949 का जनिेवा कन्वेंशन और वर्ष 1977 के अतरिक्ति प्रोटोकॉल, संयुक्त राष्ट्र।

मेन्स के लयि:

मानवीय गलयािरे, रूस-यूक्रेन युद्ध, वर्ष 1949 का जनिेवा कन्वेंशन तथा वर्ष 1977 के अतरिक्ति प्रोटोकॉल, द्वतिीय वशि्व युद्ध, सीरयिाई गृहयुद्ध, लीबयिाई गृहयुद्ध और गाजा युद्ध

चर्चा में क्यों?

हाल ही में रूस द्वारा नागरकिों के लयि "मानवीय गलयािरे" (**Humanitarian Corridors**) प्रदान करने हेतु रूस-यूक्रेन युद्ध में एक अस्थायी युद्धवरिाम की घोषणा की गई है।

- जैसे ही युद्ध एक संभावति घातक चरण में प्रवेश करता है तो नागरकिों द्वारा सुरक्षा और शरण के लयि देश छोड़ने का प्रयास कयिा जाता है, अत: नागरकि या जन-धन के नुकसान को कम करने के लयि मानवीय उपाय कयि जाने चाहयि।

प्रमुख बद्रिु

मानवीय गलयािरे:

- **मानवीय गलयािरे के बारे में:** ये एक वशिष्टि क्षेत्र में और एक वशिष्टि समय के लयि वसिैन्यीकृत क्षेत्र होते हैं जसि पर एक सशस्त्र संघर्ष के दोनों पक्ष सहमत होते हैं।
  - संयुक्त राष्ट्र मानवीय गलयािरों को सशस्त्र संघर्ष के अस्थायी वरिाम के कई संभावति रूपों में से एक मानता है।
  - उदाहरण के लयि नागरकिों को लक्ष्य बनाते हुए बड़े पैमाने पर बमबारी के समय मानवीय गलयािरे महत्त्वपूर्ण राहत प्रदान कर सकते हैं।
- **आवश्यकता:** जब शहरों की घेराबंदी की जा रही हो और आबादी को बुनयिादी खाद्य आपूर्ति, बजिली तथा पानी जैसी सुवधािओं से वंचति कर दयिा जाता है, तो इस तरह के गलयािरे आवश्यक हो जाते हैं।
- **कार्य:** इन गलयािरों के माध्यम से संघर्ष के क्षेत्रों में भोजन एवं चकित्सिा जैसी सहायता प्रदान की जा सकती है या नागरकिों को नकिाला जा सकता है।
- **अभगिम्यता:** मानवीय गलयािरों तक पहुँच संघर्ष के पक्षों द्वारा नर्धिारति की जाती है। यह आमतौर पर तटस्थ अभनिेताओं, संयुक्त राष्ट्र यारेड क्रॉस जैसे सहायता संगठनों तक सीमति है।
  - उनका उपयोग संयुक्त राष्ट्र पर्यवेक्षकों, गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) एवं पत्रकारों द्वारा उन ववािदति क्षेत्रों तक पहुँच प्राप्त करने के लयि भी कयिा जा सकता है जहाँ युद्ध अपराध कयि जा रहे हैं।

मानवीय गलयािरे से संबंधति अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन:

- अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा मानवीय गलयािरों को मान्यता देने से पहले जब यहूदी बच्चों को नाज़ी नयिंत्रण वाले क्षेत्रों से यूनाइटेड कगिडम में नकिाला गया था। तब ऐसे क्षेत्रों को द्वतिीय वशि्व युद्ध सहति सशस्त्र संघर्षों के रूप में परभाषिति कयिा गया था।
- वर्ष 1990 में संयुक्त **राष्ट्र महासभा के संकल्प 45/100** में मानवीय गलयािरों को परभाषिति कयिा गया था।
  - इसने कहा कि **"राहत गलयािरे"** को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा सशस्त्र संघर्षों के दौरान सहायता प्राप्त करने के लयि नागरकिों के अधकिार का समर्थन करने हेतु एक महत्त्वपूर्ण साधन के रूप में देखा जाता है।
  - इसे वर्ष 1949 के जनिेवा कन्वेंशन और वर्ष 1977 के उनके अतरिक्ति प्रोटोकॉल में भी मान्यता प्राप्त है।
- वर्ष 1992 में इटली में सैनरेमो से 'इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमैनटिेरयिन लॉ' ने इस अवधारणा को और अधकि बेहतर ढंग से परभाषिति कयिा है।
  - "मानवीय सहायता इस मामले में तथाकथति मानवीय गलयािरों के माध्यम से पारगमन सुवधिा प्रदान कर कर सकती है, जसि संबंधति

अधिकारियों द्वारा सम्मान एवं संरक्षित किया जाना चाहिये और यदि आवश्यक हो, तो संयुक्त राष्ट्र के अधिकार के तहत"।

- मानवीय गलियारों का उपयोग सीरियाई गृहयुद्ध, लीबिया के गृहयुद्ध और गाजा युद्ध तथा ऐसे अन्य संघर्ष क्षेत्रों में अक्सर किया जाता रहा है।

संबद्ध मुद्दे:

- **लागू करने में कठिनाई:** चूँकि सभी पक्षों को गलियारों को स्थापित करने के लिये सहमत होने की आवश्यकता है, ऐसे में मानवीय गलियारों को लागू करना मुश्किल होता है।
    - ऐसे कई युद्ध और संघर्ष क्षेत्र हैं जहाँ नागरिक गलियारों या लड़ाई में विराम के आह्वान को व्यर्थ कर दिया गया है।
    - उदाहरण के लिये यमन में चल रहे युद्ध में संयुक्त राष्ट्र अब तक अपनी वार्ताओं में विफल रहा है।
- **संभावित दुरुपयोग:** सैन्य या राजनीतिक दुरुपयोग का खतरा है।
    - उदाहरण के लिये गलियारों का इस्तेमाल संघर्ष वाले शहरों में हथियारों और ईंधन की तस्करी के लिये किया जा सकता है।

आगे की राह

- **मानवीय विराम की आवश्यकता:** मानवीय गलियारे के अलावा वैश्विक समुदाय को मानवीय विराम को प्रोत्साहित करना चाहिये क्योंकि इससे गलियारों का निर्माण किया जाता है।
    - एक मानवीय विराम में नागरिकों की रक्षा के लिये युद्ध की अस्थायी समाप्ति शामिल होगी।
    - यह नागरिकों को गलियारों तक पहुँचने और सुरक्षित रूप से आगे बढ़ने में सक्षम बनाएगा।

PYQ

हाल ही में निम्नलिखित में से किन देशों में लाखों लोग या तो भयंकर अकाल एवं कुपोषण से प्रभावित हुए या उनकी युद्धसंजातीय संघर्ष के चलते उत्पन्न भुखमरी के कारण मृत्यु हुई?

(a) अंगोला और जाम्बिया
(b) मोरक्को और ट्यूनीशिया
(c) वेनेजुएला और कोलंबिया
(d) यमन और दक्षिण सूडान

उत्तर:d

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/humanitarian-corridors